हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 11 अंक 31 कांगड़ा। शनिवार, 01 नवंबर -07 नवंबर, 2025 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 25 कार्तिक, विक्रमी संवत् 2082 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

हाई ब्लड प्रेशर और एंग्जाइटी का संबंध -पढ़ें पेज 3

प्रथम पूज्य देव भगवान श्री गणेश

बुधवार का दिन सीधे तौर पर बुध ग्रह से जुड़ा हुआ है। ज्योतिष शास्त्र में, बुध को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। ये ग्रह बुद्धि, वाणी, तर्क शक्ति, व्यापार, शिक्षा और निपुणता का कारक माना जाता है...

मान्यता किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले प्रथम पूज्य देव भगवान श्री गणेश की पूजा का विधान है। उन्हें विघ्नहर्ता, बुद्धि के देवता और सौभाग्य का कारक माना जाता है। सप्ताह के सातों दिनों में से बुधवार का दिन विशेष रूप से भगवान गणेश को समर्पित है। यह एक ऐसी परंपरा है जिसके पीछे ज्योतिषीय और पौराणिक दोनों ही गहरे रहस्य छिपे हैं। आइए, जानते हैं कि आखिर क्यों बुधवार को ही गणपति पूजन के लिए इतना शुभ माना जाता है। बुधवार का दिन सीधे तौर पर बुध ग्रह से जुड़ा हुआ है। ज्योतिष शास्त्र में, बुध को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। ये ग्रह बुद्धि, वाणी, तर्क शक्ति, व्यापार, शिक्षा और निपुणता का कारक माना जाता है।

भगवान गणेश स्वयं बुद्धि और ज्ञान के देवता हैं। चूंकि बुध ग्रह भी बुद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इन दोनों का गहरा संबंध स्थापित होता है। ज्योतिषियों का मानना है कि जिनकी कुंडली में बुध ग्रह कमजोर होता है या इससे संबंधित दोष होते हैं, उन्हें बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा अवश्य करनी चाहिए। गणपति की आराधना से बुध ग्रह के दोष शांत होते हैं और व्यक्ति को बुद्धि, वाक्पटुता और व्यापार में विशेष लाभ मिलता है। बुधवार को सौम्यवार भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है शांत और शुभ दिन। भगवान गणेश की सौम्य प्रकृति और शांतिप्रिय स्वरूप के कारण भी इस दिन उनकी पूजा को उत्तम माना गया है।

जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह कमजोर होता है, उन्हें बुधवार के दिन गणपति की उपासना करनी चाहिए। यह दिन विद्यार्थियों, लेखकों, वक्ताओं और व्यापारियों के लिए अत्यंत शुभ होता है। गणेश जी को विघ्नहर्ता कहा गया है, अत: बुधवार को उनकी पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

■ पं. नित्यानंद